केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
( शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संगठन )
CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION
(An Autonomous Organisation under the Ministry of Education, Govt. of India)

**सीबीएसई/एसपीपीएस/सीई** **दिनांक: 02.04.2026**

**सीबीएसई प्रश्न पत्रों में क्यूआर कोड की गलत व्याख्या पर परामर्श**

यह ध्यान में आया है कि सीबीएसई प्रश्नपत्रों पर छपे क्यूआर कोड के बारे में कुछ भ्रामक जानकारी प्रसारित हो रही है।

1. **क्यूआर कोड की प्रकृति:**

क. सीबीएसई प्रश्नपत्रों पर मुद्रित क्यूआर कोड का उद्देश्य प्रत्यक्ष इंटरनेट हाइपरलिंक के रूप में कार्य करना नहीं है।

ख. ये कोड प्रमाणीकरण, ट्रैकिंग और परीक्षा की के लिए आंतरिक प्रणालियों का हिस्सा हैं, और स्कैन किए जाने पर वेब लिंक के रूप में नहीं खुलते हैं। इसके बजाय, वे इच्छित टेक्स्ट दिखाते हैं। हालाँकि, यदि उपयोगकर्ता टेक्स्ट पर गूगल सर्च का उपयोग करना चुनता है, तो गूगल सर्च कुछ अन्य शब्दों का सुझाव देता है। ऐसा तब नहीं होता जब क्रोम जैसे मानक ब्राउज़र का उपयोग किया जाता है।

2. **भ्रामक ऑनलाइन व्यवहार:**

क. यह देखा गया है कि जब उपयोगकर्ता ऑनलाइन क्यूआर-संबंधित स्ट्रिंग्स की व्याख्या करने या मैन्युअल रूप से सर्च का प्रयास करते हैं, तो असंबंधित सर्च परिणाम दिखाए जाते हैं - जिसमें किसी भी व्यक्ति/इकाई के संदर्भ शामिल होते हैं।

ख. इस तरह के वेब परिणाम एल्गोरिथ्म-संचालित सर्च आउटपुट हैं और इनका सीबीएसई या उसकी परीक्षा प्रक्रियाओं से कोई संबंध नहीं होता हैं।

3. **शरारती प्रसार:**

क. कुछ तत्व सीबीएसई की छवि को गलत प्रचार और बदनाम करने के लिए जानबूझकर इन असंबंधित सर्च परिणामों को गलत तरीके से प्रस्तुत कर रहे हैं।

ख. क्यूआर कोड को असंबंधित व्यक्तियों या सामग्री से जोड़ना तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक है।

4. **हितधारकों के लिए परामर्श**

क. छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और मीडिया प्लेटफार्मों को सलाह दी जाती है कि:

i. अप्रमाणित दावों या अनुमानित व्याख्याओं को साझा करने से बचें।

ii. प्रसारण से पहले आधिकारिक सीबीएसई संचार के माध्यम से तथ्यों की पुष्टि करें।

iii. ऐसी सामग्री को बढ़ावा देने से सावधान रहें, जो संस्थागत विश्वसनीयता को विकृत कर सकती है।

इसलिए सभी हितधारकों से अनुरोध है कि वे सूचना साझा करने में जिम्मेदारी बनाए रखें और यह सुनिश्चित करके सार्वजनिक संस्थानों की अखंडता को बनाए रखें कि केवल सत्यापित और तथ्यात्मक जानकारी प्रसारित की जाए।

ह/-

**(डॉ. संयम भारद्वाज)**
**परीक्षा नियंत्रक**